



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life



Cadaver Organ Donor

Lt. Kanubhai Vasharambhai Patel

Donated his: Kidney, Liver, Corneas & Hands

Date:- 21/01/2022

DONATE LIFE™
an initiative for organ donation

" जीते जी रक्तदान, ब्रेनडे के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



Surat donates second pair of hands to mother of 3 in Maha

TIMES NEWS NETWORK

Surat: A 35-year-old woman from Buldhana in Maharashtra may get another chance to lead a normal life a year later after she was transplanted with two new hands from



Surat on Saturday. The mother of two daughters and a son had lost both her hands three years ago due to electrocution while drying clothes on a wire.

On Saturday, a green corridor was created by the city police to take the limbs to the airport from Kiran Hospital, from where the pair of hands crossed 292km from the Diamond City to the Maximum City by air in 75 minutes.

It was the second pair of



Gaurang Joshi

hands that was donated from the city. Earlier, a pair of hands was donated from the city in October and transplanted to an accountant in Pune. The transplantation is so far successful as the hands are showing positive signs.

Not only hands, but in his death 67-year-old **Kanu Patel** ensured a new lease of life for four others after the kin donated his kidney, liver and corneas as well. Native of Rupavati village in Gariyadhar

of Bhavnagar district, Patel suffered a paralysis stroke on January 18.

Due to brain haemorrhage a blood clot was developed in his brain and it was removed through surgery. Since his health was not improving, he was declared brain dead on Thursday.

Patel's wife Sharda along with their sons — Kalpesh, Mayur, and Anand — all three working as managers in different diamond units agreed for organ donation when approached by Donate Life president Nilesh Mandlewala.

"We receive several calls for hands as many people are in need of it. We advise these callers to contact the doctors. Meanwhile, we are also trying to convince the kin of brain-dead persons to donate hands," said Mandlewala.



दानवीर सूरत
से दूसरी बार
हाथा का दान

67 वर्षीय ब्रेनडेड कनुभाई के दोनों हाथ दान दिए, 75 मिनट में 296 किमी दूर मुंबई पहुंचाए, करेट से दोनों हाथ गंवा चुकी 35 वर्षीय महिला को लगे

સેવા વિભાગ | 155

हाथों का मुंबई में पांचवां और देश में 20वां ट्रांसप्लांट, सूरत से अब तक 986 अंगदान, 903 को मिल चुका नया जीवन लेउवा पटेल समाज के कन्तुभाई को लकवा मार गया था, बाद में ज्ञेन हीमोजे हो गया था



बुलडाना की महिला अब कनूभाई के हाथों से कर सकती 4 से 6 साल के 3 बच्चों की देखभाल

अनुभव के दौरे स्थृत बुलडाना की विवाह 3.5 वर्षीय महिला जो लगभग पाँच लाख रुपये की 3 साल की एक बड़ी लापता से हो गई थी। उसकी वजह से विवाह की पारी काफियत की दूरी बढ़ गई है। उसकी 6 और 8 वर्ष के दो बेटियों और 4 साल का एक बेटा है। कनूभाई को दोनों बेटियों की अधिकारी के ताकियां देना चाहिए और उनकी असमर्थन में दूसरी नारी विवाह 45 वर्षीय वधु में शुरू किया जाना। जीवंत रूप से इनकी अधिकारी के ताकियां देना चाहिए और उनकी दोनों बेटियों की विवाहीय दो बारी विवाह की जिसका अनुभव नहीं है।

अब तक सबसे ज्यादा 416 किलोना का दाना। सुन में हाथ लग करने की वजह द्वारा गदगद हो। सबसे अचूक लकड़ी गदगद हो आवक 416 किलोना, 177 लॉट्स, 1 गोल्डेन रिप्पर, 39 हार्ड, 21 लैपटॉप और 320 वर्षीय विवाहीय दाना जैसा कि यहाँ देख सकते हैं। इसकी 60 से ज्यादा लागत जितना भी हो।

अंगदन से पाँच व्यक्तियों को मिला नया जीवन

वीओटी संवाददाता
सरत, 22 जनवरी

टेक्सटाईल और डायमंड सिटी के बाद सूरत शहर अब देश में ऑर्गन डोनर सिटी से भी प्रख्यात हो चुका है। सूरत से किडनी, लीवर, चक्षु तथा दोनों हाथों के अंगदान से पाँच व्यक्तियों को नया जीवन मिला।

मोटावराछा स्नेह मुद्रा सोसायटी के कनुभाई को 18 जनवरी को शाम 6.30 बजे लकवा से ग्रस्त हो गए थे। उनको किरण हॉस्पिटल में दाखिल किया गया। निदान के लिए सिटी स्कैन करवाने पर उनको ब्रेन हेमरेज की वजह से ब्रेन में खून का थक्का जम



गया था। इन्टरनेशनल
रेडियोलोजिस्ट डॉ. जिगर आह्या
ने सर्जरी कर ब्रेन से खून का थक्का
दूर किया था। 20 जनवरी को
किरण हॉस्पिटल के डॉक्टरों ने
कनूभाई को ब्रेनडेड घोषित किया।
परिजनों ने अंगदान करने की इच्छा
व्यक्त करने पर डॉ. मेहुल पंचाल

ने डोनेट लाईफ से सम्पर्क किया था। उनके किडनी, लीवर और दोनों हाथ स्वीकार किये थे। बाद में कनूभाई के दोनों हाथों का ट्रांसप्लाट महाराष्ट्र की 35 वर्षीय महिला को, लीवर का ट्रांसप्लान्ट दाहोद के 32

वर्षीय व्यक्ति, दोनों किडनी का ट्रांसप्लान्ट सुरेन्द्र नगर की 45 वर्षीय महिला में किया गया। डोनेट लाईफ के द्वारा आज दिन तक विभिन्न अंगों के दान स्वीकार कर 903 व्यक्तियों को नया जीवन और नई दृष्टि देने में सफलता मिली है।



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

सूरत से हृथदान की दूसरी घटना : किडनी, लीवर, आंख समेत दोनों हाथों का दान, अंगदान ने पांच लोगों को दिया नया जीवन

किरण अस्पताल से मुंबई तक की 292 किमी की दूरी को हवाई मार्ग से 75 मिनट में काटकर अंगदान किया गया

लोकतेज संवाददाता



सूरत। टेक्सटाइल और डायमंड सिटी के नाम से जाना जाने वाला सूरत शहर अब अंग दाता शहर के रूप में देश में लोकप्रियता हासिल कर रहा है। सूरत से अंगदान के मामले बढ़ते जा रहे हैं जिसमें सूरत से मृतक के दोनों हाथ दान करने की यह दूसरी घटना है। मुंबई में हाथ प्रत्यारोपण का यह पांचवां और देश में बीसवां मामला है। सूरत के किरण अस्पताल से मुंबई तक 292 किमी की दूरी 75 मिनट में तय करने के बाद दोनों हाथों का प्रत्यारोपण महाराष्ट्र के बुलढाणा की एक 35 वर्षीय महिला में मुंबई के ग्लोबल अस्पताल में किया है। भावनगर जिले के गरियाधर तालुका के रूपावटी गांव के मूल निवासी और स्नेहमुद्रा सोसाइटी, मोटा वराढ़ा, सूरत के निवासी कनुभाई को मगलवार, 18 जनवरी को शाम 6.30 बजे लकवा मार गया था और उन्हें न्यूरोफिजियोलॉजिस्ट डॉ हीना फलदु के इलाज के तहत किरण अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

ब्रेन हेमरेज के कारण मरिट्सिक में रक्त के थक्के का निदान सीटी स्कैन ने किया। इंटरवेंशनल रेडियोलॉजिस्ट डॉ. जिगर अहया ने मरिट्सिक में रक्त के थक्के को हटाने के लिए सर्जरी की। गुरुवार 20 जनवरी को किरण अस्पताल के डॉक्टरों ने कनुभाई को ब्रॉडेड घोषित किया। परिवार के सदस्यों ने अंगदान की इच्छा व्यक्त की। चिकित्सा निदेशक डॉ मेहुल पांचाल ने डोनेट लाइफ को फोन किया और कनुभाई के ब्रेनडेड के बारे में जानकारी दी। डोनेट लाइफ की टीम ने अस्पताल पहुंचकर कनुभाई के पुत्रों कल्येशभाई, मयूरभाई, आनंदभाई, भतीजे विपुलभाई अंबालालभाई वाघाशिया को अंगदान के महत्व के बारे में समझाया। परिवार की संमति प्राप्त करने के बाद ब्रेनडेड कनुभाई के अंगदान की प्रक्रिया शुरू की।

सूरत के किरण अस्पताल से मुंबई तक की 292 किलोमीटर की दूरी 75 मिनट में काटने के बाद, कनुभाई के दोनों हाथों के मुंबई के ग्लोबल अस्पताल में महाराष्ट्र के बुलढाणा की 35 वर्षीय महिला में प्रत्यारोपण डॉ. नीलेश सत्तभाया और उनकी टीम द्वारा किया। तीन साल पूर्व कपड़े सुकाते समय विजली करने लगने से दोनों हाथ कट गए थे। उसका पति एक किराने की दुकान में काम करता है, उसकी छह और आठ साल की दो बेटियां और चार साल का एक बेटा है। मुंबई में पांचवां और देश में बीसवां हाथ प्रत्यारोपण का मामला। सूरत और दक्षिण गुजरात के डोनेट लाइफ ने 416 किडनी, 177 लीवर, 8 अग्न्याशय, 39 दिल, 26 फेफड़े और 320 आंखों के साथ-साथ चार भुजाओं सहित कुल 903 अंगों और ऊतकों को दान किया है।

"जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लीवर, हृदयदान..."



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

सूरत से हाथदान की दूसरी घटना किडनी, लीवर, आंख समेत दोनों हाथों का दान, अंगदान ने पांच लोगों को दिया नया जीवन



किरण अस्पताल से मुंबई तक की 292 किमी की दूरी को हवाई मार्ग से 75 मिनट में काटकर अंगदान किया गया

सूरत। टेक्सटाइल और डायमंड सिटी के नाम से जाना जाने वाला सूरत शहर अब अंग दाता शहर के रूप में देश में लोकप्रियता हासिल कर रहा है। सूरत से अंगदान के मामले बढ़ते जा रहे हैं जिसमें सूरत से मृतक के दोनों हाथ दान करने की यह दूसरी घटना है। मुंबई में हाथ प्रत्यारोपण का यह पांचवां और देश में बीसवां मामला है।

सूरत के किरण अस्पताल से मुंबई तक 292 किमी की दूरी 75 मिनट में तय करने के बाद दोनों

घोषित किया। परिवार के सदस्यों ने अंगदान की इच्छा व्यक्त की। चिकित्सा निदेशक डॉ मेहुल पांचाल ने डोनेट लाइफ को फोन किया और कनुभाई के ब्रेनडेड के बारे में जानकारी दी। डोनेट लाइफ की टीम ने अस्पताल पहुंचकर कनुभाई के पुत्रों कल्पेशभाई, मयूरभाई, आनंदभाई, भतीजे विपुलभाई अंबालालभाई वाघाशिया को अंगदान के महत्व के बारे में समझाया। परिवार की संमति प्राप्त करने के बाद ब्रेनडेड कनुभाई के अंगदान की प्रक्रिया शुरू की।

सूरत के किरण अस्पताल से मुंबई तक की 292 किलोमीटर की दूरी 75 मिनट में काटने के बाद, कनुभाई के दोनों हाथों का मुंबई के ग्लोबल अस्पताल में महाराष्ट्र के बुलढाणा की 35 वर्षीय महिला में प्रत्यारोपण डॉ. नीलेश सत्भाया और उनकी टीम द्वारा किया। तीन साल पुर्व कपड़े सुकाते समय बिजली करंट लगने से दोनों हाथ कट गए थे। उसका पति एक किराने की दुकान में काम करता है, उसकी छह और आठ साल की दो बेटियां और चार साल का एक बेटा हैं। मुंबई में पांचवां और देश में बीसवां हाथ प्रत्यारोपण का मामला। सूरत और दक्षिण गुजरात के डोनेट लाइफ ने 416 किडनी, 177 लीवर, 8 अग्न्याशय, 39 दिल, 26 फेफड़े और 320 आंखों के साथ-साथ चार भुजाओं सहित कुल 903 अंगों और ऊतकों को दान किया है।

"जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



डोनेट लाइफ द्वारा सूरत से हाथ दान की एक और घटना

लेउवा पटेल समुदाय के ब्रेनडेड कनुभाई वश राम भाई पटेल के परिवार ने उनके गुर्दे, जिगर और आंखों सहित दोनों हाथ दान किए, पांच व्यक्तियों को पुनर्जीवन मिला और मानवता की सुगंध फैलाते हुए समाज को एक नई दिशा दी। सूरत शहर की पुलिस के सहयोग से मुंबई में समय पर हाथ डिलीवरी के लिए ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया।

महाराष्ट्र के बुलढाणा की एक **35** वर्षीय महिला को मुंबई के ग्लोबल अस्पताल में सूरत के किरण अस्पताल से मुंबई तक की **292** किमी की दूरी को हवाई मार्ग से **75** मिनट में काटकर दोनों हाथों का प्रत्यारोपण किया। टेक्स्टाइल और डायमंड सिटी के नाम से जाना जाने वाला सूरत शहर अब अंग दाता शहर के रूप में देश में लोकप्रियता हासिल कर रहा है।





News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

લેઉવા પટેલ સમાજના વૃદ્ધના અંગદાનથી પાંચને નવજીવન વરાધાના બ્રેઇનડેડ વૃદ્ધના બંને હાથ મહારાષ્ટ્રની મહિલાને ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયા

(પ્રતિનિધિ દ્વારા)

સુરતના મોટા વરાધામાં રહેતા લેઉવા પટેલ સમાજના વૃદ્ધ બ્રેઇનડેડ બાદ તેમના પરિવારે તેમના ડિડની, લિવર, ચક્ષુઓ અને બંને હાથોનું દાન કરી પણ વ્યક્તક્તિઓને નવજીવન બખીને માનવતાની મહેક કેલાવી સમાજને નવી દિશા બતાવી હતી. જ્યારે સુરતની ખાનગી હોસ્પિટલથી મુંબઈનું

રદ્દ ડિ.મીનું અંતર હવાઈ માર્ગ રૂપ મીનીટમાં કાપોને બંને હાથનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ મહારાષ્ટ્રની મહિલામાં કરવામાં આવ્યું છે. મૂળ ભાવનગરના ગારીયાધાર તાલુકામાં રૂપાવટી ગામના વતની અને ડાલમાં મોટા વરાધા ખાતે સ્નેહમુડા સોસાયટીમાં રહેતા હપ વધીય નિવૃત જીવન ગાળતા કનુભાઈ વશરામભાઈ પટેલ ગત તા. ૧૮ સાંજે

અચાનક લક્વાનો હુમલો આવતા તરત સારવાર માટે કતારગામની ખાનગી હોસ્પિટલ દાખલ કર્યા હતા. ત્યાં સીટી સ્કેન કરવાતા બ્રેઇન ડેમરેજને કારણે મગજમાં લોહીનો ગઢો જીવી ગયો હોવાનું નિદાન થયું હતું. બાદમાં સર્જરી કરી મગજમાં જીમલો લોહીનો ગઢો દુર કથી હતો. ગત તા. ૨૦મીએ કનુભાઈને ડોક્ટરની ટીમે બ્લેનડેડ ઝાહેર કર્યા હતા. ડોનેટ લાઈફની ટીમે ખાનગી હોસ્પિટલ પહોંચી કનુભાઈના પરિવારના સભ્યોને અંગદાનનું મહત્વ સમજાવતા તેઓ સંમત થયા હતા. અમદાવાદની ખાનગી હોસ્પિટલની ટીમે આવી લિવર અને ડિડનીનું દાન, મુંબઈની ખાનગી હોસ્પિટલની ટીમે બંને હાથનું દાન તેમજ ચક્ષુઓનું દાન લોકડાયી ચક્ષુભક્ષણે સ્વીકાર્ય કર્યું હતું. જ્યારે સુરતની ખાનગી હોસ્પિટલથી મુંબઈનું રદ્દ ડિ.મીનું અંતર રૂપ મીનીટમાં કાપોને કનુભાઈના બંને હાથનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ મહારાષ્ટ્રમાં રહેતા રૂપ વધીય મહિલામાં મુંબઈની ખાનગી હોસ્પિટલમાં કરવામાં આવ્યું છે. જ્યારે દાનમાં મળેલું લિવરનું દાહોદના રહેતા રૂપ વધીય યુવાનને અમદાવાદની ખાનગી હોસ્પિટલમાં, બંને ડિડનીનું સુરેન્દ્રનગરમાં રહેતા રૂપ વધીય મહિલામાં અમદાવાદની ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવામાં આવ્યું છે. કનુભાઈની પત્ની શારદાભેન, પુત્ર કલ્યાશ (ઉ.વ. ૩૮) કાપોદ્રામાં ડાયમંડ ફેક્ટરીમાં મેનેજર, બીજો પુત્ર મધુર (ઉ.વ. ૩૪) કતારગામાં હીરાની કંપનીમાં મેનેજર અને ગીજો પુત્ર આનંદ (ઉ.વ. ૩૨) કાપોદ્રામાં હીરાની ફેક્ટરીમાં મેનેજર તરીકે ફરજ બજીવે છે. પુત્રી ડેલબેન પલાણી (ઉ.વ. ૪૦) છે.



રૂપ વર્ષની ત્રણ સંતાનની માતાને ત્રણ વર્ષ પહેલા કર્ણટ લાગતા બંને હાથ ગુમાવ્યા હતા

મહારાષ્ટ્રના બુલધાનાની રહેતા રૂપ વધીય મહિલાને ત્રણ વર્ષ પહેલા કપડા સુકવી વખતે વીજ કર્ણટ લગવાને કરાશે તેના બંને હાથ ગુમાવવાનો વારો આવ્યો હતો. જોકે હાથનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ છ થી આઠ કલાકમાં કરવાનું હોય છે. તે દરમિયાન નહિ થાય તો હાથ કામ કરતા બંધ થઈ જાય છે. તેથી બંને હાથને સમયસર હવાઈ માર્ગ મુંબઈ મોકલવા માટે સુરત શહેરે પોલીસના સહકારથી ગ્રીન કોરીગેર બનાવવામાં આવ્યો હતો અને ચાર્ટર વિમાન મારફકે હાથને રૂપ મીનીટમાં મુંબઈની ખાનગી હોસ્પિટલ પહોંચવામાં આવ્યા હતા. તેમના પતિ કરીયાણાની દુકાનમાં કામ કરે છે, તેમને છ અને આઠ વર્ષની બે પુત્રી, ચાર વર્ષનો પુત્ર છે.

સુરતથી મુંબઈ ફ્લાઈટમાં રૂપ મીનીટમાં બંને હાથ પહોંચાડાયા : મૂળ ભાવનગરના કનુભાઈ પટેલને અચાનક લક્વાનો હુમલો આવ્યો હતો

" જીતે જી રત્નાદાન, બ્લેનડેડ કે બાદ કિડની, લિવર, હદ્યદાન..."



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life



સુરત શહેરમાંથી ડોનેટ લાઈફ દ્વારા હાથનું દાન કરાવવાની બીજી ઘટના

ધબકાર પ્રતિનિધિ, સુરત, તા. ૨૨

મુજા ભાવનગર જિલ્લાના ચારીયાપાર તાલુકાના ઉપાયકારીના અને હાલ ૫૮ લોહદુર સોસાયટી, મોટા વરાળા આતે રહેતા કનુભાઈ વશરામભાઈ પટેલ (૩. વ. હૃ)ને તા. ૧૮ જાન્યુઆરીના સાંચે ૬:૩૦ કલાકે લક્ષ્યનો હુલ્લો થતા તેઓને હિરણ્ય હોસ્પિટલમાં દાખલ કરવામાં આચા હતા જ્યાં ચીઠી સેનમાં છેઠન હેમેઝેને કરાવે મગજમાં લોડીનો ગઢો જામી ગાં હોણનું નિદાન થતા ઈંટરવેશન રેડીયોલોક્સ્ક્રૂ ડો. જગ્નાર આહવાને સર્જરી કરી મગજમાં જમેદ્યો લોડીનો ગઢો દુર્ક્યો હતો. ગુરુવાર, તા. ૨૦ જાન્યુઆરીને કનુભાઈને બ્રેનડેડ જીવે કરાવા હતા.

જો કે પરિવારજીનોને અંગદાનની ઠંડી વ્યક્તિ કરતા મેડિકલ કાયરેક્ટર હે. મેહુલ પંચાલે ડોનેટ લાઈફના સ્થાપક-મનુષ્ય નિલેશ માંડલેવાલાનો ટેલોકોનોક સંપર્ક કરતા ડોનેટ લાઈફની ટીમ હોસ્પિટલ પદ્ધતીની કનુભાઈના પુણે કલ્પણાભાઈ, મધુરાભાઈ, આનંદભાઈ, ભત્રીજા વિપુલભાઈ અભાલાલભાઈ વધારિયાને અંગદાનનું મહત્વ સમજતું હતું.

અનુ. પાના ૭ પર

**લેઓવા પટેલ
સમાજના બ્રેઇનડેડ
કનુભાઈ
વશરામભાઈ
પટેલના પરિવારે
તેમના કિડની,
લિવર, ચક્ષુઓ
સહીત બંને હાથોનું
દાન કર્યું : પાંચ
વ્યક્તિઓને
નવજીવન**

સુરત શહેરમાંથી

જાણાયું હતું. આથી પરિવારજીને કિડની અને લિવરના દાનની સાથે હાથના દાનની પદ્ધતિ આવી હતી. જેમાં કનુભાઈના પણ કારતાને, પુણે કલ્પણાભાઈ, મધુરાભાઈ, આનંદભાઈ, ભત્રીજા વિપુલભાઈ અભાલાલભાઈ વધારિયાને, પુણે હોસ્પિટલના પદ્ધતિ તેમના ડો. નૌનિકિ કાડોર, ન્યૂરોકોલોજિસ્ટ ડો. હીના હણ્ણુ હૈન્ટન્સ્પીલીએટ ડો. દાશે નિવેદી, મેડિકલ ઇન્સ્પેક્ટર ડો. મેહુલ પંચાલ, ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કોર્ઝોરીને ડો. અલ્યા પટેલ, ડેરણ હોસ્પિટલના સંચાલકો અને સ્થાક, ડેનેટ લાઈફના મંત્રીશ્રી ચંદ્રો કેન, વ્યક્તિગત સ્થળીઓ હોન્ટોની નીરાન, માંડલેવાલા, વારજુભાઈ મંનાની, રેશ વધારિયા, ઇન્સ્પેક્ટર મેલ, સની પેલ, ટિલ્યાંગ પેલ, મોગ્રામ નોફિસર સુનાય લોધાલી, પ્રોગ્રામ કોર્ઝોરીને પોણે પ્રાપ્તિ, ચેહણ સોંકડી અને ચિરાગ સોંકડીનો સહદેર સંપર્ક્યો હતો.

સુરત અને દાશે ગુજરાતમાંથી ડોનેટ લાઈફ દાન રેકૉર્ડ કિડની, ૧૭૭ લિવર, ૮ પેન્ડીકાસ, રદ્દ હૃદય, ૨૬ ફેસાં અને ૩૨૦ ચક્ષુઓ મંહેતા કુલ હાથ અંથી અન ટીસ્ક્યુનો તેમજ ચાર હાથનું દાન મેળવીને ૮૦૩ વિકિતજીને નાનુઝીવન અને નાંની ગ્રદી બધાવામાં સફળતા મળી છે.

સુરતની ડેરણ હોસ્પિટથી મુખુંનું રહેર કિડની અંતર અન્ય મૌનિટીનાં કાર્યીને કનુભાઈના બંને હાથનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ મહારાધ્રાના ગુલવાનાંની રહેવાસી ઉપ વર્ષીય મહિયાનાં દોનિલંશ સહનાય અને તેમની ટીમ દ્વારા મુખુંની ક્લોબલ હોસ્પિટથી કરવામાં આવ્યું છે. નાનું વર્ષ પહેલાં કંપન્ય ચુક્કવતા વીજ કરે લગદાને કરણે તેના બંને હાથ કંપાઈ રહ્યા હતા તેના પતિ કારીયાજાની દુલ્લાનમાં ક્રામ કરે છે, તેમને છ અને આઈ વર્ષની બે દીકરી, ચાર વર્ષનો દીકરો છે. હાથના ટ્રાન્સપ્લાન્ટના મુખુંની પાંચથી અને દેશની વાસ્ત્વી ઘટના છે.

અંગદાન કરાવવાની સમગ્ર આફિયા રેટ એન્ડવાઈની કમિટી કોર ઓર્ગન અને ટીસ્ક્યુ ટ્રાન્સપ્લાન્ટનેશનના કમિટી મેસ્ટર અને ડોનેટ લાઈફના

" જીતે જી રહ્યાન, બ્રેનડેડ કે બાદ કિડની, લિવર, હદ્યદાન..."



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

સુરતમાંથી હાથ મહિલામાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવામાં આવ્યું નવજીવન મળ્યું

સુરત, તા. ૨૨ મૃતકના પણ ડાયનું દાન કરવામાં આવ્યું હતું. કોર્ટની ફાર્માચેટિકલ વ્યવાહારની રૂલ્ડવારી ૩૫ વર્ષથી મહિલામાં મુંબઈની અંગેનાતું સુરત શહેર હવે દરમાં જોગેન પાંચમી અને દેશની વીસમી ધરના

કરવામાં આવ્યા. નિદાન માટે ચીરી મેડિકલ ટ્રાન્સપ્લાન્ટ ગેરેજ એન્ડ સેન્ટ લાર્ટિકોનીક સંપર્ક કરી મૂળ ભાવનગર વિલ્યાના મગજમાં લોઈનો જોગે જામી ગયો અનુભાઈના બ્રેન્ડનેડ અંગેની જાણકારી ગારીયાથી તાલુકના રૂપાવટી હોવાનું નિદાન વિષે હતું. ઇન્ટરવેશનને આપો હતી.



નેનર સીરી તરીકે આતી પણી રહ્યું છે. નોટાઈ કે. સુરતની કિરણ ઓસ્પિટલથી સુરતમાંથી અંગેના પણામો વીજી મુંબઈનું 292 ક્રિ.મીનું અંતર હવાઈ એલ્યુ. કે.જી.એસ. સુરતમાંથી બીજી વધત માર્ગે 75 મીનીટમાં કારીને વિને હાથનું

સુરતમાંથી હાથ સહિત...

કિડની અને ખિલરના દાનની સાથે સુરતની કિરણ ઓસ્પિટલથી મુંબઈનું હાથના દાનની પણ સંમતિ આપતા 292 ક્રિ.મીનું અંતર 75 મીનીટમાં જાણાનું કે અમારા પિતાજી મુખજ કર્પોરે કનુભાઈના અને હાથનું લગાણોશીલ અને સેવાનાવી હતા. ટ્રાન્સપ્લાન્ટ મહારાષ્ટ્રના બુલ્લાનાની તેઓએ જીવનમાં હેઠેશા બોજાને રહેવાસી ૩૫ વર્ષથી મહિલામાં મદદરૂપ થવા તૈયાર રહેતા હતા. શીર્ષર ડો. નિલેશ સત્તભાયા અને તેમની ટીમ વીજી બળીને રાખ જ થઈ જવાનું છે ત્યારે હારા મુંબઈની બ્લોબલ હોસ્પિટલમાં તેમના કિડની અને ખિલરની સાથે કરવામાં આવ્યું છે. ત્રણ વર્ષ પહેલા હાથના દાન હારા કોઈ જરૂરિયાતમંદ કપડા ચુકડતા વીજ કર્ટ લગવાને દઈનિ નવુંજીવન મળે અને તેના હારા તે ડાર્ઝી તેના બંને હાથ ડાપાઈ ગયા હતા. વ્યક્તિ અને તેના પરિવારના જીવનમાં તેના પતિ કરીયાણાની દુઃખનામાં કામ મુશ્કાલી આવતી હોય તો આપ કરે છે, તેમને છ અને આઈ વર્ષની બંને હાથનું દાન પણ કરાવો. કનુભાઈના દીકરી, ચાર વર્ષનો દીકરો છે. હાથના પરિવારમાં એમના પણી શારદાબેન, ટ્રાન્સપ્લાન્ટની મુંબઈની પાંચમી અને એક પુત્રી અને નાના પુત્રો છે જેઓ દેશની વીસમી પણા.

ગ્રામેં કંપનીમાં મેનેજર તરીકે કરજ બજાવે છે.

દાનમાં મેળવવામાં આવેલ દાનમાં મેળવનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ દાંડોદાના રહેવાસી 32 વર્ષથી બ્યક્ટેરિયાની અમદાવાહની કેન્દ્રાનું કેન્દ્રાનું અનુભાઈના રૂલ્ડવારી ૩૧૬ ક્રિ.વિલાન્ડ ફેન લિવર, ૪ પેન્કીલાસ, ૩૯ ક્ષેદ, ૨૬ અને તેમની ટીમ હારા, બંને કિડનીનું કેન્દ્રાનું અનુભાઈના રૂલ્ડવારી ૩૨૦ ચશ્ચુઓ સહીત કુલ ૪૫ વર્ષથી મહિલામાં અમદાવાહની IKDRC માં ડ્રોપાંજલ મોદી અને તેમની ટીમ હારા કરવામાં આવ્યું છે. લેલાય, કિડની અને ખિલર સમયસર મુંબઈ અને અમદાવાદ પણોચાડવા માટે બે શીન કોર્ટિડેર બનાવવામાં આવ્યા હતા જેમાં સુરત શહેર પોલીસ તેમજ રાજ્યના વિવિધ શહેર અને ગ્રામ્ય પોલીસનો સહદાર સાંપજ્યો હતો.

સુરતમાંથી ૧૯૮ અંગેનું દાન સુરત અને દાસ્તા ગુજરાતમાંથી ગેનેટ લાઇસ દ્વારા ૧૧૬ કિડની, ૧૭૭ લિવર, ૪ પેન્કીલાસ, ૩૯ ક્ષેદ, ૨૬ કેન્દ્રાનું અનુભાઈના રૂલ્ડવારી ૩૨૦ ચશ્ચુઓ સહીત કુલ ૧૧૮ ક્રિ.વિલાન્ડ ફેન અનુભાઈના પણી રૂલ્ડવારી ૩૦૩ બિક્ઝાનોને નવુંજીવન અને નવી દ્રષ્ટી બનવામાં સક્રણતા મળી છે.

વરાધાના વૃદ્ધના હાથ મુંબઈની મહિલામાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયા

મૃતકના પરિવારે
કહ્યું, 'શરીર તો
પાખ થઈ જવાનું
છે, પરંતુ અંગાદન
થકી જરૂરિયાતમંદને
નવજીવન મળશે તો
અમને આનંદ થશે'

સુરત : સુરતના વચ્ચામાં રહેતા વૃદ્ધને કેન્દ્રોલે જાહેર કરવામાં આવ્યું હતું. આ વૃદ્ધના બંને હાથને મુંબઈની ઓસ્પિટલમાં દાનથી અંગેના દાન કરવામાં આ પીજી હણના હાની હતી. ભાવનગર વિલ્યાના ગારીયાથી



તાલુકના રૂપાવટી ગામના સ્વ.કનુભાઈના પરિવારનો સંપર્ક કરીને અંગેના વિશે સમજાવ્યું

સોહભુજા ચોસ્પાચીમાં રહેતા મુંબઈ પટેલ (૩.૧.૮)ને લક્ષ્ય અને ખિલરના દાનની સાથે વત્ત બે હિવેસની દૂસી લાયના દાનની પણ સંમતિ આપી સારવાર બાદ તેમનું હતી. પરિવારની કેન્દ્રોલે કનુભાઈના બંને હાથને મુંબઈની ઓસ્પિટલમાં દાનથી ૩૫ વર્ષથી મહિલામાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવામાં આવ્યા હતા. મુંબઈના દાખલ આ મહિલાને કર્ટ લાગતા બને

હાથ કપાઈ ગયા હતા. જ્યારે કનુભાઈની ખિલરનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ દાંડોદાના રહેવાસી ઉર્ધ્વાંતર વિશે બ્યક્ટેરિયાની અમદાવાહની જાયદા ઓસ્પિટલમાં ડો.વિલાન્ડ ફેન અને કિડનીનું ટીમ હારા, બંને કિડનીનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ દાનની રૂલ્ડવારી ૪૫ વર્ષથી મહિલામાં અમદાવાહની ઓસ્પિટલમાં દાનથી હતું.

" જીતે જી રહ્યાદાન, બ્રેનડેડ કે બાદ કિડની, લિવર, હંદ્યાદાન..."



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

મોટા વરાણાના 67 વર્ષીય બેઈનડેડ કનુભાઈ પટેલે 5 વ્યક્તિને નવજીવન આપ્યું સુરતના બેઈનડેડ વૃદ્ધના હાથ મહારાષ્ટ્રના બુલગાણાની મહિલામાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયા બુલગાણાની મહિલાના હાથ વીજ કરંટ લાગ્યા બાદ કાપવા પડ્યા હતા

ફેલ્બુર્ગિંદર | સુરત



શહેરમાંથી બીજી વખત મૃતકના બંને હાથનું દાન કરાયું છે. હાથના ટ્રાન્સપ્લાન્ટની મુંબઈની આ ડ્રીમી અને દેશની 20મીંથના છે. કિરણ હોસ્પિટલથી મુંબઈનું 292 ડિ.મીનું અંતર હવાઈ માર્ગ 75 મિનિટમાં કાપીને હાથનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ મહારાષ્ટ્રના બુલગાણાની રહેવાસી 35 વર્ષીય મહિલામાં મુંબઈની ગ્લોબલ હોસ્પિટલમાં કરાયું હતું. મૂળ ભાવનગર-ગારીયાધારના રૂપાવટીના વતની અને મોટા વરાણાની સ્નેહમુદ્રા સોસાયટી ખાતે રહેતા કનુભાઈ વસરામભાઈ

પટેલ (67)ને 18મીંથી સાંજે લક્ષ્યાનો હુમલો થતા. કિરણ હોસ્પિટલમાં ન્યૂરોક્લિનિકિયન ડૉ. હીના ફણ્ણની સારવાર હેઠળ દાખલ કરાયા હતા. 20મીંથી કિરણ તથ્બીલોએ કનુભાઈને બ્રેનડેડ જાહેર કરતા પરિવારજનોએ અંગદાનની ઈચ્છા વ્યક્ત કરતા. મેડિકલ ડાયરેક્ટર ડૉ. મેહુલ પંચાલે ડેનેટ લાઈફનો ટેલીકોનીક સંપર્ક કરી. કનુભાઈના બેઈનડેડ અંગોની જાગ્રાકારી આપી હતી.

પટેલ (67)ને 18મીંથી સાંજે લક્ષ્યાનો હુમલો થતા. કિરણ હોસ્પિટલમાં ન્યૂરોક્લિનિકિયન ડૉ. હીના ફણ્ણની સારવાર હેઠળ દાખલ કરતા. 20મીંથી કિરણ તથ્બીલોએ કનુભાઈને બ્રેનડેડ જાહેર કરતા પરિવારજનોએ અંગદાનની ઈચ્છા વ્યક્ત કરતા. મેડિકલ ડાયરેક્ટર ડૉ. મેહુલ પંચાલે ડેનેટ લાઈફનો ટેલીકોનીક સંપર્ક કરી. કનુભાઈના બેઈનડેડ અંગોની જાગ્રાકારી આપી હતી.

કનુભાઈના પુત્રોએ કહ્યું, અંગદાન અમૂલ્ય છે

પુત્રોએ જ્ઞાન્યું હતું કે પિતાજી જીવનમાં હંમેશા બીજાને મદદરૂપ થવા તેથાર રહેતા હતા. શરીર તો બળને રાખ જ થઈ જવાનું છે ત્યારે કોઈ જરૂરિયાતમંદ દર્દને નવુંજીવન મળે અને તેના પરિવારના જીવનમાં ખુશાલી આવે તો અમૂલ્ય અંગદાન અવશ્ય કરવું જોઈએ. કનુભાઈના પરિવારમાં એમના પલી શારદાબેન, એક પુત્રી અને ત્રણી પુત્રો છે.

બેહાથ મેળવનારી મહિલા લિવર યુવકને અને બંને અત્યંત સામાજ્ય પરિવારની કિડની મહિલાને દાન કરાય

બંને હાથો મેળવનારી મહારાષ્ટ્રની મહિલાના 3 વર્ષ પહેલા કાપાં સૂક્ષ્મતા કરંટ લગતાં હાથ કપાઈ ગયા હતા. તેના પતિ કરીયાણાની દુકાનમાં કામ કરે છે. તેમને 6 અને 8 વર્ષની 2 દીકરી, 4 વર્ષનો દીકરો છે. લિવરનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ દાહોદના 32 વર્ષીય વ્યક્તિમાં અમદાવાદની જાયડસ હોસ્પિટલમાં, બંને કિડનીનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ સુરેન્નનગરની 45 વર્ષીય મહિલામાં અમદાવાદની IKDRCમાં કરવામાં આવ્યું છે.

બાસ્કર વિશેષ | લેઉંવા પટેલ સમાજના બેઈનડેડ પુરુષના આ દાન થકી 5 જણાને નવજીવન

અવયવદાનથી મહારાષ્ટ્રની યુવતીને હાથ મળ્યા



મુંબઈનું 292 ડિ.મીનું અંતર હવાઈ માર્ગ 75 મિનિટમાં કાપીને બેઉવા પટેલ સમાજના બેઈનડેડ કનુભાઈ વયશામભાઈ પટેલના બંને હાથનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ મહારાષ્ટ્રના બુલગાણાની રહેવાસી 35 વર્ષીય મહિલામાં મુંબઈની ગ્લોબલ હોસ્પિટલમાં કરવાના હાથ કરાયા હતા. આ અગાઉ સુરતમાંથી હાથના જોડીનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ સુરતની ડેનેટ લાઈફના માધ્યમથી મુંબઈમાં એક પૂનાના એક પરિશીલન યુવતનાના ભણણતાપૂર્વક કરાયું હતું.

વીજ કરન્ટથી બંને હાથ ગુમાવ્યા હતા

મહારાષ્ટ્રના બુલગાણાની રહેવાસી 35 વર્ષીય મહિલામાં ડૉ. નિલેખ સતમાપા અને તેમની ટીમ દ્વારા બંને હાથના ટ્રાન્સપ્લાન્ટ મુંબઈની ગ્લોબલ હોસ્પિટલમાં કરવામાં આવ્યું છે. ત્રણ વર્ષ પહેલા કાપાં સૂક્ષ્મવા સમયે વીજ કરંટ લાગવાને કાર્યે તેના બંને હાથ કપાઈ ગયા હતા. તેનો પતિ કરીયાણાની દુકાનમાં કામ કરે છે, તેને છ અને આદ વર્ષની બે દીકરી, ચાર વર્ષનો દીકરો છે.

ડેનેટ લાઈફના સ્થાપક ખાતે રહેતો હતા. કનુભાઈને 18 પ્રમુખ નિલેખ માંથે વાલાંને જાન્યુઆરીને સાંજે 6.30 કલાકે "દિવ્ય ભાસ્કર"ને કહું હતું કે, લક્ષ્યાનો હુમલો યથાત્તા તેઓને કિરણ લેઉંવા પટેલ સમાજના બેઈનડેડ હોસ્પિટલમાં ન્યૂરોક્લિનિકિયન ડૉ. કનુભાઈ વયશામભાઈ પટેલ મૂળ જીવાણું સારવાર કરંટ લાગલ આવનગરના વતની અને સુરતમાં કરવાના આચાર્યા હતા. નિદાન માટે સીટી કેન્દ્ર કરવાના બેઈનડેડ હેમરેન્ઝને

કાર્યો મગજમાં લોડીનો ગાડો જામી ગયો હોવાનું નિદાન થયું હતું. ઈન્ટરવેશનલ રીઓલોલિફિન્ડ ડૉ. કુગર આદ્યાએ સર્જરી કરી મગજમાં જામેલો લોડીનો ગાડો દૂર કર્યો હતી.

પરંતુ 20 જાન્યુઆરીએ બેઈનડેડ કનુભાઈને બેનડેડ જાહેર કરતા પરિવારજનોએ અંગદાનની ઈચ્છા વ્યક્ત કરી હતી. કનુભાઈના કિડની, લિવર, ચયુઓ સહેત બને હાથોનું દાન કરી પાંચ વર્ષનો નવજીવને નવજીવન બન્સી, માનવતાની મહેં કેલાવી સમાજને નવી દિયા બતાવી હતી.

"જીતે જી રહ્યાદાન, બેનડેડ કે બાદ કિડની, લિવર, હંદયદાન..."



હાથ ટ્રાન્સપ્લાન્ટની સુરતમાં બીજી અને દેશમાં વીસમી ઘટના **ભાવનગરના વૃદ્ધના હાથ મહારાષ્ટ્રની ત્રણ સંતાનની માતામાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ**

લેઉવા પટેલ સમાજના વૃદ્ધના અંગદાનથી પાંચ વ્યક્તિને નવજીવન

| સુરત |

મૂળ ભાવનગરના વતની અને મોટા વરાછા વિસ્તારમાં રહેતા લેઉવા પટેલ સમાજના બેઈનડેડ વૃદ્ધના અંગદાનથી પાંચ વ્યક્તિને નવજીવન મળ્યું છે. મૃતક વૃદ્ધના બંને હાથ ત્રણ સંતાનની માતા એવી મહારાષ્ટ્ર બુલદાણાની મહિલામાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયા હતા. જ્યારે કિડની સુરેન્દ્રનગરની મહિલા અને લિવર અમદાવાદના યુવકમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું હતું. બંને ચક્ષુનું દાન લોકદાન ચક્ષુનેકે સ્વીકાર્યું હતું.

મોટા વરાછા ખાતેની સ્નેહમુદ્રા સોસાયટીમાં રહેતા કનુભાઈ વશરામભાઈ પટેલ (૩.૨.૬૭) નિવૃત્ત જીવન જીવી રવા હતા. મૂળ ભાવનગર, ગારીયાધારના રૂપાવટી ગામના વતની કનુભાઈને જત તા. ૧૮મીએ સાંજે લક્વાનો હુમલો થતાં હોસ્પિટલમાં ખસેડાયા હતા. તબીબોએ સીટી સ્કેન

મુંબઈ સુધીનું અંતર ૭૫ મિનિટમાં કાપી ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું

ડોનેટ લાઈફના પ્રમુખ નિલેશ માંડલેવાલાએ જ્ઞાયું હતું કે, હાથનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ છ્યે આઠ કલાકમાં કરવાનું હોય છે. જેથી બંને હાથ હવાઈ માર્ગ મુંબઈ મોકલાયા હતા. સુરતથી મુંબઈનું રેલ કિમીનું અંતર માત્ર ૭૫ મિનિટમાં કાપીને કનુભાઈના બંને હાથનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ મહારાષ્ટ્રના જુલદાનાની રહેવાસી ત્પ વર્ષીય મહિલામાં કરવામાં આવ્યું હતું. ત્રણ વર્ષ પહેલા કપડા ચૂકવતા વીજકર્ણ લગાવાને કારણે તેણીના બંને હાથ કપાઈ ગયા હતા. તેણીના પતિ કરિયાણાની દુકાનમાં કામ કરે છે. તેણીને છ અને આઠ વર્ષની બે પુત્રી તેમજ ચાર વર્ષનો પુત્ર છે. હાથના ટ્રાન્સપ્લાન્ટની મુંબઈની પાંચમી, દેશની વીસમી અને સુરતની આ બીજી ઘટના છે.

સહિતની તપાસ કરાવતા બેઈન ટીમનો સંપર્ક કરાયો હતો.

હેમરેજને કારણે મગજમાં લોહીનો ગણો જામી ગયો હોવાનું નિદાન થયું હતું. જેથી તબીબો દ્વારા સર્જરી કરી મગજમાં જામેલો લોહીનો ગણો દૂર કરાયો હતો. દરમિયાન તા. ૨૦મીએ તેમને તબીબોએ બેઈનડેડ ઘોષિત કર્યા હતા. બીજી બાજુ પરિવારે તેમના અંગોનું દાન કરવાનો નિર્ણય લેતા ડોનેટ લાઈફની

સુરત અને દક્ષિણ ગુજરાતમાંથી ડોનેટ લાઈફ દારા ૪૧૬ કિડની, ૧૭૭ લિવર, ૮ પેન્કીઆસ, ૩૮ હદ્દ, ૨૯ ફંસાં અને ૩૨૦ ચક્ષુઓ સહિત કુલ ૬૮૬ અંગો અને ટિસ્યૂઓ તેમજ ચાર હાથનું દાન મેળવીને ૬૦૩ વ્યક્તિઓને નવું જીવન અને નવી દાયિત્વાની સફળતા મળી છે.

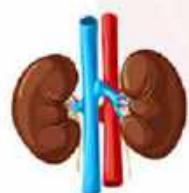


News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

DONATE LIFE

CADAVER ORGAN DONATION FIGURES

DATE: JANUARY, 2006 TO 21ST JANUARY, 2022



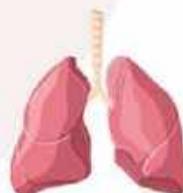
416
KIDNEY



177
LIVER



39
HEART



26
LUNGS



08
PANCREAS



320
CORNEA



04
HANDS

**TOTAL 986 ORGANS & TISSUES DONATED,
ALONG WITH 04 HAND DONATION**

**which has given New Life & Vision to 903 persons
across Country & Globe.**

"जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."